Ministry of Culture
Government of India

चलायमान प्रदर्शनी "ग्लोरियस भीमबेटका: पद्मश्री डॉ0 यशोधर मठपाल संग्रह"(15–31 मई, 2023)

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

आदि दृश्य विभाग

भीमबेटका पुरास्थल मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में अवस्थित है, यह शैलकला पुरास्थल भोपाल से लगभग 45 किलोमीटर दक्षिण में विंध्य पहाड़ियों के श्रृखला में स्थित है। इसकी खोज प्रख्यात भारतीय शैलकला विशेषज्ञ पद्मश्री डॉ0 वी0 एस0 वाकणकर ने वर्ष 1957 में की थी। तब से अभी तक 750 से अधिक शैलाश्रयों की पहचान की गयी है, जिनमें से 243 चित्रित शैलाश्रय भीमबेटका समूह में और 178 चित्रित शैलाश्रय लाखाजुआर समूह में चिन्हित किये गए। वर्ष 2003 में इसे विश्वधरोहर स्थल घोषित किया गया।

भीमबेटका पुरास्थत शैलचित्रों के विविधता के कारण अनेक शोधार्थियों एंव पुरावेत्ताओं के लिए अध्ययन का विषय बना रहा। इसी क्रम में पदमश्री सम्मानित डॉ0 यशोधर मठपाल द्वारा भीमबेटका के प्रागैतिहासिक चित्रों को शोधाध्ययन का विषय बनाया गया। डॉ0 मठपाल नें भीमबेटका पुरास्थल पर रहकर शैलाश्रयों में चित्रित शैलचित्रों को अनुपात के आधार पर स्केल (माप) सहित ड्रांइग पेपर पर जलरंग के माध्यम से बनाया गया। कई वर्षो तक चले इस कार्य के दौरान डॉ0 मठपाल नें सैकडों शैलचित्रों को पेपर पर उतारा। इनमें से भीमबेटका एवं उसके समीपवर्ती पुरास्थलों के शैलचित्रों से संबंधित 374 पेंटिग्स डॉ0 मठपाल द्वारा इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के सांस्कृतिक अभिलेखागार को प्रदान किया गया था। इस संग्रह से लगभग 46 पेंटिग्स को प्रथम बार केन्द्र से बाहर चलामान प्रदर्शनी **"ग्लोरियस भीमबेटकाः पद्मश्री डॉ0 यशोधर मठपाल संग्रह"** के रूप में पांचाल संग्रहालय, महात्मा ज्योतिबा फूले विश्वविद्यालय, बरेली, उत्तर प्रदेश में प्रदर्शित किया गया।

उक्त प्रदर्शनी का आयोजन आदि दृश्य विभाग, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली एवं प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति विभाग, महात्मा ज्योतिबा फूले विश्वविद्यालय, बरेली के संयुक्त तत्वाधान में किया गया।

प्रर्दशनी का उद्घाटन दिनांक 15 मई, 2023 को श्रीमती आनंदीबेन पटेल, माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश के कर कमलो द्वारा किया गया। इस अवसर पर आदि दृश्य विभाग, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के विभागाध्यक्ष डॉ0 रमाकर पंत, विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो0 कृष्णपाल सिंह, कुलसचिव डॉ0 राजीव कुमार, वित्त अधिकारी श्री विनोद लाल, संकायाध्यक्ष प्रो0 मुक्तेश कुमार सिंह, प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति विभागाध्यक्ष एवं स्थानीय समन्वयक प्रो0 विजय बहादुर सिंह यादव, प्रो0 श्याम बिहारी लाल, डॉ0 पवन

कुमार सिंह, डॉ0 दिलीप कुमार संत, श्री जाकिर खान, डॉ0 हेमन्त मनीषी शुक्ला एवं अन्य प्राध्यापकों व अधिकारीयों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल, माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए

इसी क्रम में दिनांक 16 मई, 2023 को शैलकला विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन पांचाल प्रेक्षागृह में किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति विभाग द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष, प्रो0 विजय बहादुर सिंह यादव ने कुलसचिव, डॉ0 राजीव कुमार, व्याख्यानकर्ता, प्रो0 आर0 पी0 पाण्डे, विभागाध्यक्ष, आदि दृश्य विभाग, डॉ रमाकर पंत का स्वागत किया। इसके पश्चात् डॉ0 रमाकर पंत, द्वारा इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र एवं आदि दृश्य विभाग के उद्देश्य एवं निरंतर किये जा रहे कार्यों के विषय में प्रकाश डाला।

प्रो0 विजय बहादुर सिंह यादव, विभागाध्यक्ष
प्रा0भा0इ0 एवं सं0, रूहेजखण्ड वि0वि0, बरेली

डॉ0 रमाकर पंत, विभागाध्यक्ष
आदि दृश्य विभाग, नई दिल्ली

तत्पश्चात् जीवाजी विश्वविद्यालय, मध्यप्रदेश के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रो0 आर0 पी0 पाण्डे द्वारा "राकॅ आर्ट ऑफ इंडियाः विद स्पेशल रिफरेन्स टू भीमबेटका" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। प्रो0 पाण्डे ने भारतीय शैलकला के विषय में रोचकता के साथ पुरा–पाषाण पर्यावरण एवं पाषाण उपकरणों को समझाते हुऐ भीमबेटका के पुरास्थल में विभिन्न शैलचित्रों को अपने व्याख्यान में रेखांकित किया। प्रो0 पाण्डे ने विभिन्न वैज्ञानिक तिथियों को प्रस्तुत करते हुए भीमबेटका पुरास्थल के कालक्रम को समझया।

भीमबेटका विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए प्रो0 आर0 पी0 पाण्डे

कार्यक्रम के अंत में डॉ0 पवन कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन दिया जिसमें डॉ सिंह ने इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र एवं आदि दृश्य विभाग के प्रति आभार प्रकट किया एवं सभागार में उपस्थित छात्र/छात्राओं/शोधार्थीयों एवं प्राध्यापकों से प्रस्तुत प्रदर्शनी के भ्रमण हेतु सभी को आंमत्रित किया। इस कार्यक्रम का समापन प्रदर्शनी दीर्घा में किया गया जहाँ आदि दृश्य विभाग की ओर से उक्त छात्र/छात्राओं/शोधार्थीयों को विस्तार पूर्वक प्रदर्शनी में प्रदर्शित चित्रों को समझाया गया।

प्रदर्शनी दीर्घा में विश्वविद्यालय के छात्र/छात्राओं एवं शोधार्थीयों को समझाते हुए, डॉ0 दिलीप कुमार संत (सहायक प्राध्यापक, आदि दृश्य विभाग) एवं डॉ0 रमाकर पंत

प्रदर्शनी दीर्घा में विश्वविद्यालय के छात्र/छात्राओं एवं शोधार्थीयों को समझाते हुए, डॉ0 दिलीप कुमार संत, एवं प्रदर्शनी दीर्घा में चर्चा करते हुए प्रो0 आर0 पी0 पाण्डे एवं डॉ0 रमाकर पंत

मो0 ज़ाकिर खान
परियोजना सहायक, आदि दृश्य विभाग